

Sanskrit Vrindam

2



संस्कृत वृद्धम्

भाग-2

पाठ 1. सम्बोधन

- (क) ऋषभः विद्यालयं गच्छति।
(ख) अष्टम कक्षायाः छात्राः गीतं गास्यन्ति।
(ग) अस्माकं देशस्य प्रथमः प्रधानमन्त्री श्री जवाहरलालः आसीत्।
(घ) अद्य अस्माकं देशस्य प्रथमः प्रधानमन्त्रिणः श्री जवाहरलालस्य जन्मदिवसः अस्ति।
(ङ) ऋषभः तन्मयः च विद्यालयं गच्छतः।
(च) विद्यालये सांस्कृतिक कार्यक्रमः भविष्यति।
- | शब्द | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|------------|------------|------------|--------------|
| (क) देव | हे देव! | हे देवौ! | हे देवाः! |
| (ख) मित्र | हे मित्र! | हे मित्रे! | हे मित्राणि! |
| (ग) लता | हे लते! | हे लते! | हे लताः! |
| (घ) बालिका | हे बालिके! | हे बालिके! | हे बालिकाः! |
| (ङ) रमा | हे रमे! | हे रमे! | हे रमाः! |
| (च) वृक्ष | हे वृक्ष! | हे वृक्षौ! | हे वृक्षाः! |
| (छ) गृह | हे गृहे! | हे गृहे! | हे गृहाणि! |
| (ज) राधा | हे राधे! | हे राधे! | हे राधाः! |
- (i) राधिके (ii) पितामहः (iii) पितामह
(iv) सहपाठी (v) चिरंजीव (vi) तिष्ठ
(vii) वैद्यम् (viii) बालाः (ix) सदा
(x) लभन्ते
- (क) हे सुरेखे! (ख) हे अम्बे! (ग) हे मित्र! (घ) हे आचार्य!
(ङ) हे छात्र! (च) हे अशोक!
- (क) हे छात्राः! यूयम् कुत्र गच्छथ?
(ख) हे गुरुवर! वयम् पुस्तकालयं गच्छामः।
(ग) हे बालकाः! किम् यूयम् दुग्धं पिबथ?
(घ) हे मधुरिमे! वयम् भोजनं खादामः।
(ङ) हे आचार्य! आवाम् कवितां पठावः।

पाठ 2. लङ् लकार (प्रथम पुरुष)

- | क्रियापद | धातु | लकार | पुरुष | वचन |
|-------------|------|------|-------|--------|
| (क) अगर्जन् | गर्ज | लङ् | प्रथम | बहुवचन |
| (ख) आसीत् | अस् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (ग) अखादत् | खाद् | लङ् | प्रथम | एकवचन |

- | | | | | |
|--------------|--------|-----|-------|---------|
| (घ) अपचताम् | पच् | लङ् | प्रथम | द्विवचन |
| (ङ) अतिष्ठन् | स्था | लङ् | प्रथम | बहुवचन |
| (च) अलिखत् | लिख् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (छ) अखेलन् | खेल् | लङ् | प्रथम | बहुवचन |
| (ज) अनमताम् | नम् | लङ् | प्रथम | द्विवचन |
| (झ) अक्रीडन् | क्रीड् | लङ् | प्रथम | बहुवचन |
| (ञ) अभ्रमत् | भ्रम् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
- | | | |
|------------------|----------------|------------------|
| लट् लङ् | लट् लङ् | लट् लङ् |
| अस्ति-आसीत् | भवति-अभवत् | क्रीडति-अक्रीडत् |
| नृत्यति-अनृत्यत् | भ्रमति-अभ्रमत् | खादति-अखादत् |
| हसति-अहसत् | लिखति-अलिखत् | वदति-अवदत् |
 - (क) अगायत् (ख) अपिबत् (ग) अगच्छताम्
(घ) अपठन् (ङ) अनृत्यत्।
 - (क) छात्राः (ख) महिले (ग) वृद्धा
(घ) सैनिकाः (ङ) सूदः (च) बालौ
 - (क) अपचत् अपचताम् अपचन्
(ख) अभ्रमत् अभ्रमताम् अभ्रमन्
(ग) अभवत् अभवताम् अभवन्
(घ) अलिखत् अलिखताम् अलिखन्
(ङ) अखनत् अखनताम् अखनन्
(च) अचलत् अचलताम् अचलन्
(छ) अवदत् अवदताम् अवदन्
 - (क) अक्रीडताम् (ख) अस्मरत् (ग) अधावत्
(घ) अचलन् (ङ) अनमन् (च) अगच्छताम्
 - (क) अगच्छत् (ख) अखादन् (ग) अपिबन्
(घ) अपठताम् (ङ) अहसत् (च) अगायत्
 - (क) अस्मरत् (ख) अक्रीडन् (ग) अनमन्
(घ) अगच्छताम् (ङ) अभजताम्
 - (क) गीतिका पत्रम् अलिखत्।
(ख) माता भोजनम् अपचत्।
(ग) रामः श्यामः च अक्रीडताम्।
(घ) तौ दुग्धम् अपिबताम्।
(ङ) सैनिकाः अरक्षन्।
(च) सः चलचित्रम् अपश्यत्।

पाठ 3. लङ् लकार (मध्यम पुरुष)

1. (क) अहसः अहसतम् अहसत
(ख) अपचः अपचतम् अपचत
(ग) अस्मरः अस्मरतम् अस्मरत
(घ) अपश्यः अपश्यतम् अपश्यत
(ङ) अनमः अनमतम् अनमत
(च) अपिबः अपिबतम् अपिबत
(छ) अजिघ्रः अजिघ्रतम् अजिघ्रत
2. (क) अस्मरः, (ख) अगच्छतम्, (ग) अखादत, (घ) अलिखतम्,
(ङ) अवसः, (च) अपश्यत
3.

क्रियापद	धातु	लकार	पुरुष	वचन
1. अजिघ्रत	घ्रा	लङ्	मध्यम	बहुवचन
2. अगुम्फः	गुम्फ्	लङ्	मध्यम	एकवचन
3. अस्मरतम्	स्मृ	लङ्	मध्यम	द्विवचन
4. अक्रीडत	क्रीड्	लङ्	मध्यम	बहुवचन
5. अलिखतम्	लिख्	लङ्	मध्यम	द्विवचन
6. अवसत	वस्	लङ्	मध्यम	बहुवचन
7. अगर्जः	गर्ज्	लङ्	मध्यम	एकवचन
8. अपश्यतम्	दृश्	लङ्	मध्यम	द्विवचन
4. (क) अखादः (ख) अगच्छत (ग) अभ्रमत
(घ) अस्मरतम् (ङ) अनमतम् (च) अहसः
5. (क) ह्यः — त्वम् ह्यः कुत्र अगच्छः?
(ख) अनमत — यूयम् गुरुम् अनमत।
(ग) गीतम् — सा गीतम् अगायत्।
(घ) कुत्र — त्वम् कुत्र गच्छसि?
(ङ) किमर्थम् — त्वम् किमर्थम् अहसः?
(च) अलिखः — त्वम् पत्रम् अलिखः।
6. (क) यूयम् (ख) अगच्छतम् (ग) त्वम्
(घ) अगच्छत (ङ) युवाम् (च) अस्मरः
7. (क) त्वम् ईश्वरम् अस्मरः।
(ख) यूयम् भोजनम् अखादत।
(ग) युवाम् चित्राणि अरचयतम्।
(घ) यूयम् गीतम् अगायत।
(ङ) यूयम् उद्याने अधावत।
(च) त्वम् लेखं न अलिखः।
8. (क) यूयम् फलानि अखादत।
(ख) युवाम् चित्राणि अरचयतम्।
(ग) यूयम् अध्यापकम् अनमत।
(घ) यूयम् गीताम् अपठत।

- (ङ) युवाम् गीतम् अगायतम्।
(च) यूयम् कविताम् अस्मरत।

पाठ 4. लङ् लकार (उत्तम पुरुष)

1. (क) अजिघ्रम अजिघ्राव अजिघ्राम
(ख) अनमम् अनमाव अनमाम
(ग) अहसम् अहसाव अहसाम
(घ) अगच्छम् अगच्छाव अगच्छाम
(ङ) अभवम् अभवाव अभवाम
(च) अवसम् अवसाव अवसाम
(छ) अनृत्यम् अनृत्याव अनृत्याम
2. (क) अक्रीडाम (ख) अपिबम् (ग) अपठाम
(घ) अवपम् (ङ) अनृत्याम (च) अनमाव
3. (क) आवाम् (ख) अखादम् (ग) वयम्
(घ) अधावाम् (ङ) अहम् (च) अजिघ्राव
4. (क) अभजाव (ख) अगच्छम् (ग) अपश्यम्
(घ) अपठाम (ङ) अभ्रमाम (च) अयच्छाव
5.

क्रियापद	धातु	लकार	पुरुष	वचन
(क) अवपाव	वप्	लङ्	उत्तम	द्विवचन
(ख) अहसम्	हस्	लङ्	उत्तम	एकवचन
(ग) अयच्छाम	दा	लङ्	उत्तम	बहुवचन
(घ) अयच्छम्	दा	लङ्	उत्तम	एकवचन
(ङ) अपताम	पत्	लङ्	उत्तम	बहुवचन
(च) अस्मराव	स्मृ	लङ्	उत्तम	द्विवचन
(छ) अलिखम्	लिख्	लङ्	उत्तम	एकवचन
(ज) अभवाव	भू	लङ्	उत्तम	द्विवचन
6. (क) अहम् उद्याने अभ्रमम्।
(ख) वयम् भोजनम् अखादाम।
(ग) अहम् रात्रौ अपठम्।
(घ) आवाम् सायंकाले भ्रमणाय अगच्छाव।
(ङ) वयम् सुन्दरं चित्रम् अपश्याम।
7. (क) वयम् क्रिकेटम् अखेलाम।
(ख) आवाम् देवालयम् अगच्छाव।
(ग) अहम् लेखम् अलिखम्।
(घ) वयम् जन्तुशालाम् अपश्याम।
(ङ) आवाम् पुष्पम् अजिघ्राव।
(च) अहम् पुस्तकम् अपठम्।
(छ) वयम् गुरुम् अनमाम।
(ज) आवाम् सत्यम् अवदाव।

पाठ 5. सिंह-मूषकस्य-कथा

1. (क) मूषकः जालम् अकृन्तत्।
(ख) सिंहः वने अवसत्।
(ग) सिंहः मूषकाय अकुध्यत्।
(घ) सिंहः व्याधस्य जाले बद्धः अभवत्।
(ङ) सिंहः स्वतन्त्रः अभवत्।
(च) मूषकः अकथयत्— “मयि दयां कुरु।”

2. (क) कस्मिंश्चित् वने कः अवसत्?
(ख) सः कुत्र सुप्तः आसीत्?
(ग) सिंहः कम् अवदत्?
(घ) मूषकः किम् अकृन्तत्?
(ङ) मूषकः कस्य उपरि अकूर्दत्?
(च) एकदा सिंहः कस्मिन् बद्धः अभवत्?

3. (क) वृक्ष शब्द (पुल्लिंगं)
विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन
प्रथमा वृक्षः वृक्षौ वृक्षाः
द्वितीया वृक्षम् वृक्षौ वृक्षान्
तृतीया वृक्षेण वृक्षाभ्याम् वृक्षैः
चतुर्थी वृक्षाय वृक्षाभ्याम् वृक्षेभ्यः
पञ्चमी वृक्षात् वृक्षाभ्याम् वृक्षेभ्यः
षष्ठी वृक्षस्य वृक्षयोः वृक्षाणाम्
सप्तमी वृक्षे वृक्षयोः वृक्षेषु
सम्बोधन हे वृक्ष! हे वृक्षौ! हे वृक्षाः!

- (ख) मूषक शब्द (पुल्लिंगं)
विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन
प्रथमा मूषकः मूषकौ मूषकाः
द्वितीया मूषकम् मूषकौ मूषकान्
तृतीया मूषकेण मूषकाभ्याम् मूषकैः
चतुर्थी मूषकाय मूषकाभ्याम् मूषकेभ्यः
पञ्चमी मूषकात् मूषकाभ्याम् मूषकेभ्यः
षष्ठी मूषकस्य मूषकयोः मूषकाणाम्
सप्तमी मूषके मूषकयोः मूषकेषु
सम्बोधन हे मूषक! हे मूषकौ! हे मूषकाः!

- (ग) वन शब्द (नपुंसकलिङ्गं)
विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन
प्रथमा वनम् वने वनानि
द्वितीया वनम् वने वनानि
तृतीया वनेन वनाभ्याम् वनैः
चतुर्थी वनाय वनाभ्याम् वनेभ्यः
पञ्चमी वनात् वनाभ्याम् वनेभ्यः

षष्ठी	वनस्य	वनयोः	वनानाम्
सप्तमी	वन	वनयोः	वनेषु
सम्बोधन	हे वन!	हे वने!	हे वनानि!

- (घ) दया (स्त्रीलिङ्गं)
विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन
प्रथमा दया दये दयाः
द्वितीया दयाम् दये दयाः
तृतीया दयया दयाभ्याम् दयाभिः
चतुर्थी दयायै दयाभ्याम् दयाभ्यः
पञ्चमी दयायाः दयाभ्याम् दयाभ्यः
षष्ठी दयायाः दययोः दयानाम्
सप्तमी दयायाम् दययोः दयासु
सम्बोधन हे दये! हे दये! हे दयाः!

- (ङ) मित्र (नपुंसकलिङ्गं)
विभक्ति एकवचन द्विवचन बहुवचन
प्रथमा मित्रम् मित्रे मित्राणि
द्वितीया मित्रम् मित्रे मित्राणि
तृतीया मित्रेण मित्राभ्याम् मित्रैः
चतुर्थी मित्राय मित्राभ्याम् मित्रेभ्यः
पञ्चमी मित्रात् मित्राभ्याम् मित्रेभ्यः
षष्ठी मित्रस्य मित्रयोः मित्राणाम्
सप्तमी मित्रे मित्रयोः मित्रेषु
सम्बोधन हे मित्र! हे मित्रे! हे मित्राणि!

4. (क) उपरि — अधः (ख) सुप्तः — प्रबुद्धः
(ग) अद्य — श्वः (घ) अहम् — त्वम्
5. पदानि मूलशब्दः लिङ्गम् विभक्तिः वचनम्
(क) मूषकाय मूषक पुल्लिङ्गं चतुर्थी एकवचनम्
(ख) व्याधस्य व्याध पुल्लिङ्गं षष्ठी एकवचनम्
(ग) वने वन सप्तमी एकवचनम्
(घ) मम अस्मद् पु०/स्त्री० षष्ठी एकवचनम्
(ङ) तेन तद् पुल्लिङ्गं तृतीया एकवचनम्
(च) दयाम् दया स्त्रीलिङ्गं द्वितीया एकवचनम्

6. (क) वसति (ख) कूर्दति (ग) वदति
(घ) भवति (ङ) अस्ति (च) कृन्तति
(छ) मुञ्चति (ज) आगच्छति
7. (क) सिंहः सुप्तः आसीत्।
(ख) कस्मिंश्चित् वने एकः शृगालः अवसत्।
(ग) अद्य अवकाशः अस्ति।
(घ) अहम् विद्यालयं गच्छामि।
(ङ) एकदा एकः शशकः आसीत्।

पाठ 6. लोट् लकार (आज्ञा अर्थ में)

- (क) त्वम् (ख) छात्राः (ग) अहम्
(घ) त्वम् (ङ) शिष्यौ (च) ते
- देखे पाठ्यपुस्तक का पृष्ठ 74 से 81
- (क) त्वम् फलम् खाद।
(ख) अहम् गृहं गच्छानि।
(ग) ते असत्यं न वदन्तु।
(घ) त्वम् दुग्धं पिब।
(ङ) कृषकः हलेन कर्षतु।
(च) बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्तु।
- (क) अधुना वयम् गच्छाम।
(ख) छात्रौ पुस्तकं पठताम्।
(ग) सः बहिः गच्छतु।
(घ) युवाम् कन्दुकेन क्रीडतम्।
(ङ) यूयम् सत्यं वदत।
(च) अहम् स्वपाठं स्मराणि।
- | क्रियापद | धातु | लकार | पुरुष | वचन |
|--------------|-------|------|-------|---------|
| 1. क्रीडताम् | क्रीड | लोट् | प्रथम | द्विवचन |
| 2. गच्छन्तु | गम् | लोट् | प्रथम | बहुवचन |
| 3. वद | वद् | लोट् | मध्यम | एकवचन |
| 4. भवत | भू | लोट् | मध्यम | बहुवचन |
| 5. रक्षतम् | रक्ष् | लोट् | मध्यम | द्विवचन |
| 6. तिष्ठाव | स्था | लोट् | उत्तम | द्विवचन |
| 7. यच्छतु | दा | लोट् | प्रथम | एकवचन |
| 8. गच्छानि | गम् | लोट् | उत्तम | एकवचन |
| 9. पश्य | दृश् | लोट् | मध्यम | एकवचन |
| 10. कुरु | कृ | लोट् | मध्यम | एकवचन |
- सत्यं वद। धर्मं चर। असत्यं न वद। अतिथि देवो भव। गुरुजनान् नम। दीनानाम् सहायतां कुरु। नित्यं विद्यालयं गच्छ। प्रतिदिनं स्वपाठं पठ। किमपि न निन्द। देशस्य सेवाम् कुरु।
- (क) भक्ताः ईश्वरं भजन्तु।
(ख) सा देवालयं गच्छतु।
(ग) अहं गृहं गच्छानि।
(घ) त्वं सदा सत्यं वद।
(ङ) नित्यं स्वयंकार्यं कुरु।
(च) यूयं दीनाय वस्त्रं यच्छत।

पाठ 7. सुभाषितानि

- (क) स्वदेशे राजा पूज्यते।

- (ख) विद्या विनयं ददाति।
(ग) अस्माकम् अधिकारः कर्मणि भवति।
(घ) पुस्तकस्था विद्या कार्यकाले समुत्पन्ने विद्या न भवति।
(ङ) हंसमध्ये बकः न शोभते।
(च) नरस्य आभरणं रूपम् भवति।
(छ) परहस्तगतं धनं कार्यकाले समुत्पन्ने धनं न भवति।
(ज) गुणस्य आभरणं ज्ञानम् भवति।

- | शब्द | धातु | लकार | पुरुष | वचन | विभक्ति |
|--------------|------|------|-------|--------|------------|
| (क) धन | - | - | - | एकवचन | पञ्चमी |
| (ख) - | - | - | - | - | - |
| (ग) पात्रता | - | - | - | एकवचन | द्वितीया |
| (घ) फल | - | - | - | बहुवचन | सप्तमी |
| (ङ) नर | - | - | - | एकवचन | षष्ठी |
| (च) ज्ञान | - | - | - | एकवचन | प्र०-द्वि० |
| (छ) कार्यकाल | - | - | - | एकवचन | सप्तमी |
| (ज) - | - | - | - | - | - |
| (झ) स्वदेश | - | - | - | एकवचन | सप्तमी |
| (ञ) विद्या | - | - | - | एकवचन | प्रथमा |
- (क) पात्रताम् (ख) सर्वत्र (ग) विनयं
(घ) गुणस्य (ङ) स्वदेशे (च) क्षमा
- (क) ईश्वरः सर्वत्र अस्ति।
(ख) असत्यं मा वद।
(ग) राघवः अपि गमिष्यति।
(घ) कदाचन सः पूज्यः आसीत्।
(ङ) अधुना अहं गच्छामि।
- (क) विद्या विनयं ददाति।
(ख) विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
(ग) राजा स्वदेशे पूज्यते।
(घ) हंसाः मध्ये बकः न शोभते।
(ङ) नरस्य आभरणं रूपम् अस्ति।
(च) रूपस्य आभरणं गुणः अस्ति।

पाठ 8. विधिलिङ् लकार

- (क) नमेम (ख) भजेयुः (ग) उत्तिष्ठेव
(घ) पिबेत् (ङ) अर्चेः (च) गच्छेत्
- देखें पाठ्यपुस्तक का पृष्ठ 74-81 धातुओं के अन्तर्गत विधिलिङ् लकार।
- (क) हितं मितं च (ख) सूर्योदयात् प्राक्
(ग) व्यायामम् (घ) न
(ङ) निर्मलानि (च) योगेशः

4. (क) नमेत (ख) वदेम (ग) कुर्यात्
(घ) भजेताम् (ङ) पठेयुः (च) कुर्याम्

क्रियापद	धातु	लकार	पुरुष	वचन
(क) नमन्ति	नम्	लट्	प्रथम	बहुवचन
(ख) वदतु	वद्	लोट्	प्रथम	एकवचन
(ग) गच्छेयुः	गम्	विधिलिङ्	प्रथम	बहुवचन
(घ) अभवन्	भू	लङ्	प्रथम	बहुवचन
(ङ) कुर्यात्	कृ	विधिलिङ्	मध्यम	बहुवचन
(च) स्मरथ	स्मृ	लट्	मध्यम	बहुवचन
(छ) अपिबः	पा	लङ्	मध्यम	एकवचन
(ज) सन्ति	अस्	लट्	प्रथम	बहुवचन

6. (क) सः स्वपाठं पठति।
(ख) युवां भ्रमणाय उद्यानम् अगच्छतम्।
(ग) वयं शीतलं जलं पिबाम।
(घ) त्वं प्रातः आचार्यं नमसि।
(ङ) आवां सदा सत्यं वदिष्यावः।
7. (क) यूयं सदा सत्यं वदेत।
(ख) वयं स्वदेशं रक्षेम।
(ग) युवाम् अति उष्णं दुग्धं न पिबेतम्।
(घ) बालकाः प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छेयुः।
(ङ) यूयं स्वपाठं स्मरेत।
(च) वयं प्रातः व्यायामं कुर्याम।

पाठ 9. उपसर्गाः

1. (क) अभि + भवति (ख) निस् + सरति
(ग) सम् + हरति (घ) अनु + सरति
(ङ) आ + चरति (च) उत् + भवति
(छ) उत् + चरति (ज) अप + करोति
2. (क) विहरति (ख) अनुगच्छति (ग) विचरति
(घ) निर्गच्छति (ङ) उपकरोति (च) परिभवति
(छ) अनुकरोति (ज) उत्तिष्ठति
3. (क) दुर्जनः सज्जनं पराभवति।
(ख) बालकः विद्यालयात् गृहम् आगच्छति।
(ग) नृपः राज्यम् अधिकरोति।
(घ) बालः मातरम् अनुकरोति।
(ङ) नदी पर्वतात् उद्भवति।
(च) छात्रः प्रातः उत्तिष्ठति।
4. (क) छात्राः विद्यालयात् आगच्छन्ति।
(ख) अध्यापकः उच्चैः उच्चरति।
(ग) नृपः सुखम् अनुभवति।
(घ) दुष्टौ निर्धनान् अपकुरुतः।

- (ङ) रामः रावणं संहरति।
(च) व्याधः मृगे प्रहरति।

पाठ 10. मूर्धः वानरः

1. (क) नर्मदातटे वृक्षः आसीत्।
(ख) तत्र खगाः वसन्ति स्म।
(ग) खगाः स्वशावकैः सह अवसन्।
(घ) क्रुद्धः वानरः अचिन्तयत्— “अहो! एते क्षुद्राः खगाः माम् उपहसन्ति।”
(ङ) खगाः वानरम् अवदन्— “भो वानर! मानवस्य इव ते अपि हस्तौ पादौ च सन्ति। त्वं वृथा एव कष्टम् अनुभवसि। तत् गृहस्य निर्माणं कथं न करोषि?
(च) कुपितः वानरः उत्पत्य वृक्षम् आरोहत्। खगानां नीडानि च भुवि अपातयत्।
(छ) मूर्खाणां कृते उपदेशः प्रकोपाय भवति।
2. (क) तरु (ख) मर्कटः (ग) मनुष्यः
(घ) विहगः (ङ) सर्पः
3. (क) वृक्षः कीदृशः आसीत्?
(ख) केन कम्पमानः वानरः तत्र आगच्छत्?
(ग) तत्र खगाः कैः सह सुखेन वसन्ति स्म?
(घ) कम्पमानं कम् दृष्ट्वा खगाः अवदन्?
(ङ) एतत् श्रुत्वा कः क्रुद्धः अभवत्?
(च) कुपितः वानरः केषाम् नीडानि भुवि अपातयत्?
4. (क) एकः विशालः वृक्षः अस्ति।
(ख) सर्वे पशवः प्राणान् रक्षितुम् इतस्ततः अधावन्।
(ग) अहं विद्यालयं गमिष्यामि।
(घ) रामः सत्यं वदेत्।
(ङ) छात्राः पुस्तकं पठन्तु।
5. (क) न (ख) आम् (ग) आम्
(घ) आम् (ङ) न
6. पदानि धातु/शब्द लकार पुरुष/विभक्ति वचन
(क) आसीत् अस् लङ् प्रथम एकवचन
(ख) अधावन् धाव् लङ् प्रथम बहुवचन
(ग) अभवत् भू लङ् प्रथम एकवचन
(घ) आगच्छत् आ+गम् लङ् प्रथम एकवचन
(ङ) अवदन् वद् लङ् प्रथम बहुवचन
(च) शीतेन शीत - तृतीया एकवचन
(छ) पशवः पशु - प्रथमा बहुवचन
(ज) नीडानि नीड - प्रथ. - द्वि. एकवचन
(झ) करोषि कृ लट् मध्यम एकवचन

पाठ 11. प्रत्ययाः (क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्)

1. (क) क्रीड् + क्त्वा = कीडित्वा
क्रीड् + तुमुन् = कीडितुम्
(ख) गम् + क्त्वा = गत्वा
गम् + तुमुन् = गन्तुम्
(ग) धाव् + क्त्वा = धावित्वा
धाव् + तुमुन् = धावितुम्
(घ) पठ् + क्त्वा = पठित्वा
पठ् + तुमुन् = पठितुम्
(ङ) श्रु + क्त्वा = श्रुत्वा
श्रु + तुमुन् = श्रोतुम्
(च) दा + क्त्वा = दत्वा
दा + तुमुन् = दातुम्
(छ) लिख् + क्त्वा = लिखित्वा
लिख् + तुमुन् = लिखितुम्
(ज) हस् + क्त्वा = हसित्वा
हस् + तुमुन् = हसितुम्
(झ) स्था + क्त्वा = स्थित्वा
स्था + तुमुन् = स्थातुम्
(ञ) खाद् + क्त्वा = खादित्वा
खाद् + तुमुन् = खादितुम्
2. (क) प्रणम्य (ख) आनीय (ग) उपदिश्य
(घ) उत्थाय (ङ) अवगम्य (च) आगम्य
(छ) उपलभ्य (ज) परित्यज्य (झ) प्रतिज्ञाय
(ञ) विचिन्त्य
3. (क) गत्वा (ख) खादित्वा (ग) पठितुम्
(घ) क्रीडितुम् (ङ) प्रणम्य (च) दृष्ट्वा
(छ) कृत्वा (ज) आगत्य (झ) खादितुम्
(ञ) उपसृत्य (ट) प्रतिज्ञाय (ठ) प्राप्य
(ड) दातुम् (ढ) घ्रातुम् (ण) द्रष्टुम्
(त) गृहीत्वा (थ) कूदित्वा (द) पातुम्
(ध) नन्तुम् (न) श्रोतुम्
4. 1. नम् + तुमुन् 2. दृश् + क्त्वा
3. ज्ञा + क्त्वा 4. प्र + आप् + तुमुन्
5. चल् + क्त्वा 6. स्मृ + क्त्वा
7. अधि + गम् + तुमुन् 8. रक्ष् + तुमुन्
9. खेल् + क्त्वा 10. आ + गम् + क्त्वा
11. त्यज् + क्त्वा 12. उप + कृ + ल्यप्
13. स्था + क्त्वा 14. गा + तुमुन्

15. रच् + क्त्वा

5. (क) पीत्वा (ख) आगत्य (ग) स्नातुम्
(घ) गत्वा (ङ) द्रष्टुम् (च) परिश्रम्य
6. (क) सुरेखा हास्यकथां श्रुत्वा उच्चैः हसति।
(ख) बालकः क्रीडाक्षेत्रं धावित्वा कन्दुकं गृह्णाति।
(ग) छात्रः दुग्धं पीत्वा विद्यालयं गच्छति।
(घ) सुधा भोजनं खादित्वा भ्रमति।
(ङ) बालकः पाठं पठित्वा गृहम् आगच्छति।

पाठ 12. समय-लेखनम्

1. (क) त्रिवादनम्
(ख) पादोनत्रिवादनम्
(ग) सपादपञ्चवादनम्
(घ) दशकलाधिकद्वादशवादनम्
(ङ) पञ्चकलाधिकम् षड्वादनम्
(च) दशकलाधिकम् सप्तवादनम्
2. (क) नववादनम् (ख) सपाददशवादनम्
(ग) सार्धदशवादनम् (घ) पादोनद्वादशवादनम्

पाठ 13. संख्यावाचक

1. (क) चत्वारः (ख) द्वौ (ग) पञ्च
(घ) सप्त (ङ) एकम् (च) द्वौ
2. (क) तिस्रः (ख) चत्वारः (ग) दश
(घ) एकः (ङ) द्वौ (च) एका
3. (क) एका बालिका गच्छति।
(ख) शिवस्य त्रीणि नेत्राणि सन्ति।
(ग) उद्याने चतस्रः बालिकाः भ्रमन्ति।
(घ) उपवने द्वौ आम्रवृक्षौ स्तः।
(ङ) वृक्षे एका कोकिला तिष्ठति।
(च) अश्वस्य चत्वारः पादाः सन्ति।
(छ) मम गृहे त्रयः शशकाः सन्ति।
(ज) पुस्तकालये द्वे कन्ये पठतः।
4. (क) चत्वारि (ख) द्वौ (ग) त्रयः
(घ) षट् (ङ) दश (च) द्वे
5. (क) द्वे कन्दुके (ख) चत्वारः वृक्षाः
(ग) त्रीणि पुष्पाणि (घ) एका लता
(ङ) द्वे महिले (च) चत्वारि पत्राणि
(छ) द्वौ वृक्षौ (ज) एकः छात्रः
(झ) एकम् पुस्तकम् (ञ) तिस्रः बालिकाः
(ट) पञ्च फलानि (ठ) चत्वारः वेदाः

6. (क) मनुष्यस्य द्वौ हस्तौ भवतः।
 (ख) हस्ते पञ्च अङ्गुल्यः भवन्ति।
 (ग) चतस्रः महिलाः कृपात् जलम् आनयन्ति।
 (घ) त्रयः बालकाः आपणं गच्छन्ति।
 (ङ) द्वौ शुकौ वृक्षे तिष्ठतः।
 (च) वृक्षात् त्रीणि फलानि पतन्ति।

पाठ 14. महात्मा गान्धीः

1. (क) महात्मागान्धिनः जन्म गुजरातप्रान्तस्य पोरबन्दर नामके स्थाने अभवत्।
 (ख) उच्च-शिक्षायै सः इंग्लैण्डदेशम् अगच्छत्।
 (ग) गान्धीमहोदयस्य जन्म 1869 तमे ख्रीष्टाब्दे अक्टूबर मासस्य द्वितीये दिनाङ्के अभवत्।
 (घ) महात्मा गान्धी भारताय अजीवत्।
 (ङ) महात्मा गान्धी महोदयस्य नेतृत्वे भारतीयाः स्वाधीनताम् अधिगतवन्तः।
 (च) महात्मा गान्धी आचार्याणाम् प्रियः आसीत्।
2. पदानि धातु लकार पुरुष वचन
- | | | | | | |
|-----|-------------|-------|------|-------|--------|
| (क) | आसीत् | अस् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (ख) | अभवत् | भू | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (ग) | अत्यजत् | त्यज् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (घ) | वदाम | वद् | लोट् | उत्तम | बहुवचन |
| (ङ) | अवदत् | वद् | लङ् | प्रथम | बहुवचन |
| (च) | भवति | भू | लट् | प्रथम | एकवचन |
| (छ) | अजीवत् | जीव् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (ज) | बालकः | — | — | — | एकवचन |
| (झ) | प्रयत्नैः | — | — | — | एकवचन |
| (ञ) | अगच्छत् | गम् | लङ् | प्रथम | एकवचन |
| (ट) | भारताय | — | — | — | एकवचन |
| (ठ) | महापुरुषस्य | — | — | — | एकवचन |
| (ट) | आचार्याणाम् | — | — | — | बहुवचन |
| (ठ) | विद्यालयात् | — | — | — | एकवचन |
3. (क) सः सदा सत्यं वदति।
 (ख) ईश्वरः सर्वत्र पश्यति।
 (ग) रामः श्यामः च विद्यालयं गच्छतः।
 (घ) देवेशः एव तत्र गमिष्यति।
 (ङ) राघवः ग्रामात् आगत्य दिल्लीनगरम् अगच्छत्।
 (च) देवाय नमः।
4. (क) महात्मा गान्धी एकः महापुरुषः अस्ति।
 (ख) विवेकः एकः सरलः बालकः आसीत्।
 (ग) सः सदा सत्यं वदिष्यामि।

- (घ) देवेशः इंग्लैण्डदेशम् गच्छतु।
 (ङ) गान्धीमहोदयस्य मुख्योपदेशः अहिंसा अस्ति।
 (च) तस्य पितुः नाम कर्मचन्दः आसीत्।

5. (क) एकः राजा आसीत्।
 (ख) छात्रः विद्यालयं गच्छति।
 (ग) सः सदा सत्यं वदति।
 (घ) तस्य मातुः नाम सुशीला आसीत्।
 (ङ) वयं जन्तुशालां द्रष्टुम् गमिष्यामः।
 (च) हे गुरुवर! अहं नमामि।
6. (क) पठिष्यथ (ख) रक्षावः (ग) पश्यताम्
 (घ) अपतन् (ङ) हसेः (च) आगच्छामः

पाठ 15. विज्ञानस्य चमत्काराः

1. (क) एतत् विज्ञानस्य युगम् वर्तते।
 (ख) यत्र दृष्टिः गच्छति तत्र वयं विज्ञानस्य चमत्कारं पश्यामः।
 (ग) आधुनिक-विज्ञानस्य अपूर्वः आविष्कारः दूरदर्शनम् अस्ति।
 (घ) मुद्रणयन्त्रस्य साहाय्येन प्रतिदिनम् अनेकानि पुस्तकानि प्रकाशितानि भवन्ति।
 (ङ) जनाः रेडियोयन्त्रेण समाचारान् शृण्वन्ति।
2. (क) हवाई जहाज (ख) दूरभाष (टेलीफोन)
 (ग) दूरदर्शन (टेलीविजन) (घ) आकाशवाणी (रेडियो)
 (ङ) छापाखाना (प्रेस)
3. क्रियापद धातु लकार पुरुष वचन
- | | | | | | |
|-----|-----------|------|-----|-------|--------|
| (क) | पश्यामः | दृश् | लट् | उत्तम | बहुवचन |
| (ख) | अस्ति | अस् | लट् | प्रथम | एकवचन |
| (ग) | शृण्वन्ति | श्रु | लट् | प्रथम | बहुवचन |
| (घ) | कुर्मः | कृ | लट् | उत्तम | बहुवचन |
| (ङ) | पश्यन्ति | दृश् | लट् | प्रथम | बहुवचन |
| (च) | भवन्ति | भू | लट् | प्रथम | बहुवचन |
| (छ) | गच्छन्ति | गम् | लट् | प्रथम | बहुवचन |
| (ज) | दृश्यन्ते | दृश् | लट् | प्रथम | बहुवचन |
4. (क) विद्याधनम् अपूर्वः अस्ति।
 (ख) एतत् विज्ञानस्य युगम् अस्ति।
 (ग) महिलाः गीतानि गायन्ति।
 (घ) यत्र धूमः, तत्र अग्निः।
 (ङ) आकाशे वायुयानम् उड्डयति।

अभ्यास-पुस्तिका

1. (क) कृष्णः दुग्धम् अपिबत्।

- (ख) वृद्धाः उद्याने अभ्रमन्।
 (ग) छात्रौ क्रीडाक्षेत्रे अक्रीडताम्।
 (घ) मेघाः उच्चैः अगर्जन्।
 (ङ) भक्तः ईश्वरम् अभजत्।
 (च) बालकाः बालकेः सह अक्रीडन्।
 (छ) त्वम् कुत्र अगच्छः?
 (ज) पुत्रः पितरं पत्रम् अलिखत्।
 (झ) युवाम् गुरुम् अनमतम्।
 (ञ) बालकाः पादकन्दुकेन सह अखेलन्।
 (ट) वयं गृहम् अगच्छाम।
 (ठ) वृक्षेषु वानरौ अकूर्दताम्।
 (ड) वक्षात् पत्राणि अपतन्।
 (ढ) तौ विद्यालयम् अगच्छताम्।
 (ण) अहं भोजनम् अखादम्।
2. (क) ते पुस्तकं पठतः।
 (ख) छात्रौ भोजनम् अखादताम्।
 (ग) आवां विद्यालयं गमिष्यावः।
 (घ) ते कन्ये दुग्धं पिबतः।
 (ङ) तौ बालकौ पत्रम् अलिखताम्।
 (च) बालकौ चन्द्रं दृष्ट्वा हसतः।
 (छ) तौ अश्वौ तीव्रम् अधावताम्।
 (ज) ते बालं ताडयतः।
 (झ) कृषकौ गृहं गच्छतः।
 (ञ) राजानौ रथेन गमिष्यतः।
 (ट) छात्रौ स्वपाठं पठेताम्।
 (ठ) तौ सुखी भवताम्।
 (ड) ते कवितां पठिष्यतः।
 (ढ) राजानौ प्रजाम् रक्षेताम्।
 (ण) सिंहौ उच्चैः गर्जतः।
3. (क) भिक्षुकाः भोजनं खादन्ति।
 (ख) मातरः भोजनम् अपचन्।
 (ग) वयं विद्यालयम् अगच्छाम।
 (घ) ते दिल्लीनगरम् अगच्छन्।
 (ङ) पिकाः कृष्णाः भवन्ति।
 (च) ते कवितां स्मरेयुः।
 (छ) ताः प्रतिदिनम् ईश्वरं भजेयुः।
 (ज) छात्राः प्रातः पठेयुः।
 (झ) यूयं पत्रं लेखिष्यथ।
 (ञ) वयं गीतां पठिष्यामः।
4. (क) अलिखत् (ख) गच्छन्ति (ग) स्मरिष्यति
 (घ) क्रीडतः (ङ) रक्षेम (च) भवतु

- (छ) यच्छन्तु (ज) पठिष्यति (झ) अनमन्
 (ञ) पठेयुः
5. (क) रामः कदापि असत्यं न वदति।
 (ख) पिता पुत्राय कृद्ध्यति।
 (ग) वयं लेखम् अलिखाम।
 (घ) छात्राः अध्यापकेन सह वार्तालापं कुर्वन्ति।
 (ङ) ते पाठं स्मरिष्यन्ति।
 (च) गंगा हिमालयात् प्रभवति।
 (छ) सैनिकाः देशम् अरक्षन्।
 (ज) सीता रामेण सह वनम् अगच्छत्।
 (झ) अहं श्वः मुम्बईनगरं गमिष्यामि।
 (ञ) त्वं किम् करोषि?
6. धातु पुरुष एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्
 (क) भज् मध्यम अभजः अभजतम् अभजत अभजत
 (ख) घ्रा उत्तम अजिघ्रम् अजिघ्राव अजिघ्राम
 (ग) नृत् मध्यम अनृत्यः अनृत्यतम् अनृत्यत
 (घ) भ्रम् प्रथम अभ्रमत् अभ्रमताम् अभ्रमन्
 (ङ) चल् उत्तम अचलम् अचलाव अचलाम
 (च) पत् मध्यम अपतः अपततम् अपतत
 (छ) रक्ष् प्रथम अरक्षत अरक्षताम् अरक्षन्
 (ज) खाद् उत्तम अखादम् अखादाव अखादाम
 (झ) कृ प्रथम अकरोत् अकुरुताम् अकुर्वन्
 (ञ) पा मध्यम अपिबः अपिबतम् अपिबत
 (ट) नम् उत्तम अनमम् अनमाव अनमाम
 (ठ) लिख् मध्यम अलिखः अलिखतम् अलिखत
 (ड) स्था प्रथम अतिष्ठत् अतिष्ठताम् अतिष्ठन्
 (ढ) वद् उत्तम अवदम् अवदाव अवदाम
 (ण) प्रच्छ् प्रथम अपृच्छत् अपृच्छताम् अपृच्छन्
7. क्रियापद धातु लकार पुरुष वचन
 (क) आसीत् अस् लङ् प्रथम एकवचन
 (ख) कृद्ध्यामः कृध् लट् उत्तम बहुवचन
 (ग) अनृत्यः नृत् लङ् मध्यम एकवचन
 (घ) प्रक्ष्यथ प्रच्छ् लृट् मध्यम बहुवचन
 (ङ) पास्यति पा लृट् प्रथम एकवचन
 (च) लिखेव लिख् विधिलिङ् उत्तम द्विवचन
 (छ) तिष्ठ स्था लोट् मध्यम एकवचन
 (ज) खादतु खाद् लोट् प्रथम एकवचन
 (झ) स्मर स्मृ लोट् मध्यम एकवचन
 (ञ) रक्षिष्यन्ति रक्ष् लृट् प्रथम बहुवचन
 (ट) अहसाव हस् लङ् उत्तम द्विवचन
 (ठ) पठेः पठ् विधिलिङ् मध्यम एकवचन

(ड)	भवानि	भू	लोट्	उत्तम	एकवचन
(ढ)	अकरोत्	कृ	लङ्	प्रथम	एकवचन
(ण)	द्रक्ष्यति	दृश्	लृट्	प्रथम	एकवचन
8.	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
(क)	अनमम्	अनमाव	अनमाम्		
(ख)	आसीत्	आस्ताम्	आसन्		
(ग)	अक्रुध्यम्	अक्रुध्याव	अक्रुध्याम्		
(घ)	अनृत्यः	अनृत्यताम्	अनृत्यन्		
(ङ)	अभक्षयम्	अभक्षयाव	अभक्षयाम्		
(च)	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्		
(छ)	अलिखत्	अलिखताम्	अलिखन्		
(ज)	अपश्यः	अपश्यताम्	अपश्यन्		
(झ)	अखादत्	अखादताम्	अखादन्		
(ञ)	अतिष्ठम्	अतिष्ठाम्	अतिष्ठान्		
(ट)	अपृच्छः	अपृच्छताम्	अपृच्छन्		
(ठ)	अक्रीडम्	अक्रीडाव	अक्रीडाम्		
(ढ)	अभ्रमत्	अभ्रमताम्	अभ्रमन्		
(ण)	अपततः	अपतताम्	अपतन्		
9.	(क) नमेतम्	(ख) स्मरेयम्			
	(ग) पठेत	(घ) गच्छेव			
	(ङ) चित्रं पश्येः	(च) उद्याने भ्रमेत्			
	(छ) भ्रमणाय गच्छेम	(ज) पत्रं लिखेत्			
	(झ) दुग्धं पिबेयुः	(ञ) गायेयुः			
	(ट) क्रीडाक्षेत्रे क्रीडेताम्	(ठ) फलं खादेत्			
10.	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
	अखादत्	अचिन्तयताम्	अवदन्		
	अचलत्	अजयताम्	अस्मरत		
	अभवत्	अक्रीडताम्	अवसन्		
	अपृच्छत्	अनमताम्	अरक्षन्		
	अपिबत्	अजिघ्रताम्	अपश्यन्		
		अतिष्ठताम्	अखादन्		
			अजिघ्रन्		
11.	(क) भू धातु				
	पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	
	प्रथम	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः	
	मध्यम	भवेः	भवेतम्	भवेत	
	उत्तम	भवेयम्	भवेव	भवेम	
	(ख) अस् धातु				
	पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	
	प्रथम	स्यात्	स्याताम्	स्युः	
	मध्यम	स्याः	स्यातम्	स्यात	
	उत्तम	स्याम्	स्याव	स्याम	

(ग) घ्रा धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	जिघ्रेत्	जिघ्रेताम्	जिघ्रेयुः		
मध्यम	जिघ्रेः	जिघ्रेतम्	जिघ्रेत		
उत्तम	जिघ्रेयम्	जिघ्रेव	जिघ्रेम		
(घ) हस् धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	हसेत्	हसेताम्	हसेयुः		
मध्यम	हसेः	हसेतम्	हसेत		
उत्तम	हसेयम्	हसेव	हसेम		
(ङ) दृश् धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	पश्येत्	पश्येताम्	पश्येयुः		
मध्यम	पश्येः	पश्येतम्	पश्येत		
उत्तम	पश्येयम्	पश्येव	पश्येम		
(च) पा धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः		
मध्यम	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत		
उत्तम	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम		
12.	(क) पठ् धातु				
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	पठतु	पठताम्	पठन्तु		
मध्यम	पठ	पठतम्	पठत		
उत्तम	पठानि	पठाव	पठाम		
(ख) रक्ष् धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	रक्षतु	रक्षताम्	रक्षन्तु		
मध्यम	रक्ष	रक्षतम्	रक्षत		
उत्तम	रक्षाणि	रक्षाव	रक्षाम		
(ग) पठ् धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	स्मरतु	स्मरताम्	स्मरन्तु		
मध्यम	स्मर	स्मरतम्	स्मरत		
उत्तम	स्मराणि	स्मराव	स्मराम		
(घ) पा धातु					
पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन		
प्रथम	पिबतु	पिबताम्	पिबन्तु		
मध्यम	पिब	पिबतम्	पिबत		
उत्तम	पिबानि	पिबाव	पिबाम		

(ड)	स्था धातु			
	पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	प्रथम	तिष्ठतु	तिष्ठताम्	तिष्ठन्तु
	मध्यम	तिष्ठ	तिष्ठतम्	तिष्ठत
	उत्तम	तिष्ठानि	तिष्ठाव	तिष्ठाम

(च)	कृ धातु			
	पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	प्रथम	करोतु	कुरुताम्	कुर्वन्तु
	मध्यम	कुरु	कुरुतम्	कुरुत
	उत्तम	करवाणि	करवाव	करवाम

13. (क) अहम् (ख) कृषकः (ग) ते
 (घ) यूयम् (ङ) सैनिकाः (च) आवाम्
 (छ) तौ (ज) सः (झ) अहम्
 (ञ) त्वम्

14. (क) अहं विद्यालयं पठामि।
 (ख) त्वं गृहं गच्छसि।
 (ग) अहम् अध्यापिका अस्मि।
 (घ) बालकाः दुग्धं पिबन्ति।
 (ङ) अश्वाः तीव्रम् धावन्ति।
 (च) आवां कवितां स्मरावः।
 (छ) माता भोजनं पचति।
 (ज) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
 (झ) वानरः वृक्षे कूर्दति।
 (ञ) यूयं भोजनं खादथ।

15. शब्द एकवचन द्विवचन बहुवचन
 (क) छात्र हे छात्र! हे छात्रौ! हे छात्राः!
 (ख) मृग हे मृग! हे मृगौ! हे मृगाः!
 (ग) राम हे राम! हे रामौ! हे रामाः!
 (घ) दुग्ध हे दुग्ध! हे दुग्धे! हे दुग्धानि!
 (ङ) गीता हे गीते! हे गीते! हे गीताः!
 (च) पुस्तक हे पुस्तक! हे पुस्तके! हे पुस्तकानि!
 (छ) कृषक हे कृषक! हे कृषकौ! हे कृषकाः!
 (ज) फल हे फल! हे फले! हे फलानि!
 (झ) पत्र हे पत्र! हे पत्रे! हे पत्राणि!
 (ञ) बाला हे बाले! हे बाले! हे बालाः!

16. शब्द विभक्ति एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्
 (क) मित्र द्वितीया मित्रम् मित्रे मित्राणि
 (ख) छात्र तृतीया छात्रेण छात्राभ्याम् छात्रैः
 (ग) लता षष्ठी लतायाः लतयोः लतानाम्
 (घ) देव द्वितीया देवम् देवौ देवान्
 (ङ) सीता तृतीया सीतया सीताभ्याम् सीताभिः

(च)	गृह	प्रथमा	गृहम्	गृहे	गृहाणि
(छ)	पुस्तक	तृतीया	पुस्तकेन	पुस्तकाभ्याम्	पुस्तकैः
(ज)	वृक्ष	चतुर्थी	वृक्षाय	वृक्षाभ्याम्	वृक्षेभ्यः
(झ)	पत्र	पञ्चमी	पत्रात्	पत्राभ्याम्	पत्रेभ्यः
(ञ)	खग	षष्ठी	खगस्य	खगयोः	खगानाम्

17. (क) नम् + क्त्वा (ख) नम् + तुमुन्
 (ग) त्यज् + क्त्वा (घ) कृ + तुमुन्
 (ङ) पच् + तुमुन् (च) रक्ष् + तुमुन्
 (छ) स्मृ + तुमुन् (ज) भू + क्त्वा
 (झ) खाद् + क्त्वा (ञ) हस् + क्त्वा

18. (क) दत्त्वा (ख) लिखितुम् (ग) पठित्वा
 (घ) पातुम् (ङ) दृष्ट्वा (च) भवितुम्
 (छ) पीत्वा (ज) धावितुम् (झ) क्रीडित्वा
 (ञ) वदितुम्

19. (क) विचिन्त्य (ख) उपगम्य (ग) विहस्य
 (घ) प्राप्य (ङ) परिभ्रम्य (च) विधाय
 (छ) प्रविश्य (ज) निष्क्रम्य (झ) परित्यज्य
 (ञ) संपठ्य

20. (क) पञ्चवादाने (ख) सपादपञ्चवादाने
 (ग) षड्वादाने (घ) सार्धषड्वादाने
 (ङ) पादोनसप्तवादाने (च) सप्तवादाने
 (छ) सार्धद्विवादाने (ज) त्रिवादाने
 (झ) सार्धचतुर्वादाने (ञ) सपादषड्वादाने

21. 1. छात्राः अध्यापकं नमन्ति।
 2. रामः श्यामस्य भ्राता अस्ति।
 3. राजा निर्धनाय धनं यच्छति।
 4. बालाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।
 5. राधा स्वपाठं स्मरिष्यति।
 6. मृगौ तृणं चरतः।
 7. कोकिला मधुरं कूजति।
 8. रामः लक्ष्मणस्य भ्राता आसीत्।
 9. अहं श्वः विद्यालयं न गमिष्यामि।
 10. वयं प्रातः पठामः।
 11. वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
 12. छात्राः पठितुं पुस्तकालयं गमिष्यन्ति।

21. (क) लट् लकार - त्वं किम् पठसि?
 लङ् लकार - त्वं किम् अपठः?
 लृट् लकार - त्वं किम् पठिष्यसि?
 लोट् लकार - त्वं किम् पठः?
 विधिलिङ् लकार - त्वं किम् पठेः?

- (ख) लट् लकार – बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।
लङ् लकार – बालकाः कन्दुकेन अक्रीडन्।
लृट् लकार – बालकाः कन्दुकेन क्रीडिष्यन्ति।
लोट् लकार – बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्तु।
विधिलिङ् लकार – बालकाः कन्दुकेन क्रीडेयुः।
- (ग) लट् लकार – छात्रौ पत्रं लिखतः।
लङ् लकार – छात्रौ पत्रम् अलिखताम्।
लृट् लकार – छात्रौ पत्रं लेखिष्यतः।
लोट् लकार – छात्रौ पत्रं लिखताम्।
विधिलिङ् लकार – छात्रौ पत्रं लिखेताम्।
- (घ) लट् लकार – सैनिकः देशं रक्षति।
लङ् लकार – सैनिकः देशम् अरक्षत।
लृट् लकार – सैनिकः देशं रक्षिष्यति।
लोट् लकार – सैनिकः देशं रक्षतु।
विधिलिङ् लकार – सैनिकः देशं रक्षेत्।
- (ङ) लट् लकार – आवां स्वपाठं स्मरावः।
लङ् लकार – आवां स्वपाठम् अस्मरावः।
लृट् लकार – आवां स्वपाठं स्मरिष्यावः।
लोट् लकार – आवां स्वपाठं स्मराव।
विधिलिङ् लकार – आवां स्वपाठं स्मरेव।
- (च) लट् लकार – यूयं लेखं लिखत।
लङ् लकार – यूयं लेखम् अलिखत।
लृट् लकार – यूयं लेखं लेखिष्यथ।

- लोट् लकार – यूयं लेखं लिखत।
विधिलिङ् लकार – यूयं लेखं लिखेत।
- (छ) लट् लकार – सः सत्यं वदति।
लङ् लकार – सः सत्यम् अवदत्।
लृट् लकार – सः सत्यं वदिष्यति।
लोट् लकार – सः सत्यं वदतु।
विधिलिङ् लकार – सः सत्यं वदेत्।
- (ज) लट् लकार – ते असत्यं न वदन्ति।
लङ् लकार – ते असत्यं न अवदन्।
लृट् लकार – ते असत्यं न वदिष्यन्ति।
लोट् लकार – ते असत्यं न वदन्तु।
विधिलिङ् लकार – ते असत्यं न वदेयुः।
- (झ) लट् लकार – तौ दुग्धं पिबतः।
लङ् लकार – तौ दुग्धम् अपिबताम्।
लृट् लकार – तौ दुग्धं पास्यतः।
लोट् लकार – तौ दुग्धं पिबताम्।
विधिलिङ् लकार – तौ दुग्धं पिबेताम्।
- (ञ) लट् लकार – युवाम् कुत्र गच्छथः?
लङ् लकार – युवां कुत्र अगच्छतम्?
लृट् लकार – युवां कुत्र गमिष्यथः?
लोट् लकार – युवां कुत्र गच्छतम्?
विधिलिङ् लकार – युवां कुत्र गच्छेतम्?